

1. हा कुरुहा म... ॥ १ ॥ कनीचल खन धवा न सला कान न...
वह ठा कि ग... ॥ २ ॥ कसलिक खान न... ॥ ३ ॥ मववयु ७३ यवाम...
७२० ॥ ४ ॥ नयु वीर सला निन न... ॥ ५ ॥ वद झुमि सा वना सा...
चवकन हा वसंजन य वाक सला नीन न... ॥ ६ ॥ ...
वना सा ॥ ७ ॥ ... ॥ ८ ॥ नया व ववा के सला निन न...
क्रिया वना सा ॥ ९ ॥ कया जन लाहा थो लुम इह स... ॥ १० ॥ ...
क्रिया वना सा ॥ ११ ॥ ववकन हा कसय निहा युवा के सला नीन न...
कला ॥ १२ ॥ निव व... ॥ १३ ॥ ... ॥ १४ ॥ ...
युवा के सला नीन न... ॥ १५ ॥ ... ॥ १६ ॥ ...
... ॥ १७ ॥ ... ॥ १८ ॥ ... ॥ १९ ॥ ...
... ॥ २० ॥ ... ॥ २१ ॥ ... ॥ २२ ॥ ...

वद अरु सावना सा ॥ १ ॥ इरुला ३३६ छिमिदि १ मना १० दल ५
कुक १३ ला १ निवि १ म ३ मुस १ वशीला खनन स्य १ नर्मस २ वक्र
अरु सावना सा ॥ १ ॥ खयल ४० छिमिदि चर्वकनदा कर्वा ० स
दा घुवा कसला निनन स्य कसरी १६ ॥ नर्मस २ मुदीलन १ ॥ ३
रि सावना सा ॥ १ ॥ का ६ चंदन घुवकदा मस ३ मववमुद ३ लरदन
न सावकस नवाल कसई सुदीलन नक्र अरु सावना सा ॥ १ ॥ ६
सयकिहा क १ १८ कान स्य साखवर्म ३ लरवनन स्य लंद वक्र अरु
सावना सा ॥ १ ॥ स्ववाकल जिनिहवा ४० छिमिदि इरुला अविदि
सरेन स्य कसरी १६ लंद वक्र अरु सावना सा ॥ १ ॥ गुड मुर्म यम
सरवाव १ मुस १ साखव २ गुड ४ की अष्ट १ काय वक्र अरु सावना

॥ १ ॥ अगु वि यिंयलि देवदात्र यिंयला मूल म ३ मुस अ नृ पुवा
कसला निनन स्य वक्र अरु सावना सा ॥ १ ॥ कनव विखान दल ५
साहन नयक मवचुन वक्र अरु सावना सा ॥ १ ॥ इरुला जि वि नृय
कमन यय गु जि विरुल लवंद अठस अष्टा तिवाल घुवा के
रि सावना स्य १ न वक्र अरु सावना सा ॥ १ ॥ साल १० या विवि सा
॥ इरुला य गु गु वि क १ ६ कवर्क साल १० ॥ रुका वि मिहा य ३ य
व ३ ६ स्य काय ३ सथा ३ स्य कवर्क साल १० ॥ १ ॥ का ६ दा कनय
न सावना ने के साल १० ॥ १ ॥ अया माग रुमि दस दल व सा ॥ १ ॥ १०
॥ १ ॥ सुरु वदिया लहा का ६ वा केनहा काय दस घुव स्य रेवा स
३ ३ के साल १० ॥ १ ॥ दामल या दल लरवनन स्य ३ ६ सावन

सममदयक ॥१॥ हंवावयिनिजानहा कुरुविहा दकखानदा रंगा
किमिहा समरागं धीसक ॥२॥ दिने ३ मासक रुवडास्य गन
समदयके ॥३॥ अया मार्गहा वरुकाहा जियर्थसक ॥४॥ दिने ३ मा
सिक रुवडास्य गन समदयके ॥५॥ कंयि विहा मंस २ हाक जि विमंस २
मनेसमउ ३ धनं लखनननस्य लुंन विरुखवडास्य दिने ३ गरुसदमरु
टा ॥६॥ कंयि विहा जे दुद्रा के नहा मंस २ मनेसमउ ३ धनं लखनननस्य
नान दिने ३ विरुखवडास्य गरुसदमरु रुषके रवा ॥७॥ हंसया वडास्य २ यि
लुठिहामं स्वहान दाक जि वि मनेसमउ ३ धनं लखनननस्य नान दि
ने ३ मनीन सदेया दकु लसनलम मरुमरुस्य वा दडास्य लुंन ननानम
दुरुषययके रवस्य ॥८॥ कयलि के खानहा मंस अयना दिने दाम २ रं

संधानहा २ चककहा २ चकनडासा २ धनं स्वसदास्य मारा काथवडा
स्य धनं नजायनय वडास्य धनं व धस्य सास्य खानहास्य नस्य गरु
सदमरुके ॥९॥ यमसखानमं दका जि वि धनं वानयं माला लख
नदुया लादयकं स्वायुकि दाम्य स्वायुकि सक ॥१०॥ मउवक दं निर्य
संदं लुंन दलस लम रुम मदि वुके दयस रु गरुसमडा ॥११॥ भा
वा वीरनास्य रगरु साधवयका ठमरु रुडास्य अंवल धूय मनर्मस ३
रवा दुलं खनननस्य कसी साखर वुदके नके दिने मउके काले मा
वनययके उलिमरु ॥१२॥ दिक्का दयक रुवसा साहा गमके या दे
॥१३॥ यखयल सीखल खालसन ॥१४॥ माल गायखयल सीख
ल साहा गमके या धनं नस्य हा धीयं रंगनास रवसदवख ॥ ० ॥

यकं किं ह। मा वा सा इ न न स्या न न कं भी म ध ल य। वा द रु व र व ॥ १ ॥ म
दु व सि ख। हो मा वा सा उ व रु य। द इ न न स्या त्वं द म व र वी क। म मा वा म द
ले मा वा द रु। री र व ॥ १ ॥ अ य। स्या न ह। मा वा सा उ व रु य। द इ न न स्या
म व व क्क ड् ड द वा स स नि ना वा स न स र्क यं वा मृ न दू ज। क्क। य द्दि स ध
ध न ह। व। अ स न गं ठि नि मि सा वुं वा ध ल रु। री र व ध म स व ॥ १ ॥
इ इ या वि कि ल्मा क्का य ॥ न य खाने गुरु। ल या र्क स व का या व न स्या ध
य कं न का व रु। स्या र्क नि कि न र। ज्ञान के सा इ द व। उं व म। वा स। व रु
अ व या का य व। य क्क य स। व ॥ १ ॥ इ इ स क य। वि कि ल्मा क्का य ॥ ह ल द
ह। म ल स्या ध मि य किं सिं नि म्म वृ। छि मि दि य कि म स ३ ख म्म ३ ल र व
क ३ ३ सा इ इ द ३ ३ ध न र्क इ इ इ द्वा क ल ना स ॥ १ ॥ क म्म नि ह ले वि

३। ४० ननसंयाद इइद्यादल देवख ॥ १७ ॥ कंकुयिखा नुल स्वाय
 रुवसदा रुक जिमि इइसवके ॥ १८ ॥ जिप्राग विक्लिमा मंगरी वलि
 ॥ १९ ॥ हलि नारवनथा मयक्या ॥ २० ॥ जीवीरसदवया ड। सव ॥ २१ ॥ छिमिदि
 यियगु १ इइकलसंहा १। लाहा १ ॥ यटका सिंकेव हाकेहामल मना
 ०। अलिपहा ॥ ला २ ॥ यटका डरुल ययगु इइकलसंहा ॥ ला ३ ॥ इ
 इकलसंहा २। गेमसानहा का ० यय ४६ छिमिदि ॥ ला ४ ॥ लिंक ०
 गिवि ३। का ० गिवि वाल येक कदा येक का सिंकेव ॥ ला ५ ॥ धनरु
 या हा गण वास नरुका धन वन वालन विधि ॥ १ ॥ चकेव निवदियाल
 सला ३२ ना सिंकेव गेमसाव ॥ ला ६ ॥ सिंद्याक अरिथ म मिदि ॥
 ला ॥ ॥ स्वरुवा ल वालव सिंकेव धगिगि घला रुवकि ३। का ० गिवि

मंस ३ ध ३३ मंस ३ ध ३३ का किल स्वस ३३ श ३३ वा हि वि मा दान
वा हि वि दान स्व ॥ ० ॥ किं य स क वु रि य लि ३३ ३३ मा स ह ल ३३ वि
हि ३३ स म रा ग या ३३ ग न क य ३३ य ३३ क स न स य ल ३३ वा व न म द न ॥ ० ॥
मा र व य ल ३३ स द ला स क ॥ मंस ३३ ध ३३ य वा क मंस ३३ ध ३३ वि क य
रि य थ ३३ ॥ ० ॥ वि व क न द ॥ ल र व न न स य ३३ न क य स ग ल ३३ व य
या य ३३ न ल रि य ॥ ३३ ॥ य ३३ रि य य म ३३ ल र व न न स य ३३ व ३३ वि र व न न
रि य ॥ ० ॥ द ल व क न ला क वि लि ० या क व स ल क न ह ल स द ३३ स ३३
क य म व स ३३ ३३ ल र व न न स य ३३ ३३ ३३ वि र य क य ३३ वा क ३३ क य का ३३
रु व र ॥ ० ॥ ग कि ह ३३ ३३ द ३३ ल व न स य ३३ रि म न द ३३ म द ३३ लिंग व द
न रु व र न दि न ॥ ० ॥ सि क र वा व ३३ ३३ ३३ स क ३३ ३३ ३३ ध य

[illegible]

याथेन सञ्जायाव यं तां अं हसने दं कृत्वा स उवा इदं न खवद
इनं जादाव कृत्वा अलागसं च स आये ह धवा अंगुलि विद्याव
कं लं दं धनं न दइ स्या कला दइ व॥ य विस्वान स मि निरु कन हा
उरु ल लाठ सम राग लखन न स्या कमी कुं ह न न क इध मि वा का
उत या मि मु के ठ म रु य के ॥७॥ श्री स्व धु धु मि मि दि कल व रु मि रु
ला उदल व द सि गु द गु य व मृ णाल न न न अ ट ट व व क ल स ट कु ल स
ली म वा उ की का थ च न न सं लि न के हा य स हा व के ॥८॥ कवी व स के म ड
मि रु ला ध रि म स ड अ वा मे म म ड अ ड ल रु लि ड डि वि स्वान उ ड रु ल रु लि
म ना ड मी क ड स ख ड उ ल ख रु उ उ ध व क न न ल के म न य के ॥९॥
ह ल डि ह ल थ न यो ज हि मु व के न ध रु म ल ल य ये म ल न व ड चान

न मु ग रु क ॥१०॥ अ ख गं ध वृ धान हा म ल ध धं ना द हा व दि या ल
क रु क उ व स हा ॥ अ या मा गे स म रा ग ग व ठ ग व ठ ने वा ल न मी १ कि मि
वा व ला य दि व स ध धा स र स क ल या द ॥११॥ डि रु खो व इ ड व धि य
लि न ना य माल ल या व क रा स र स र स र क के ॥१२॥ गु ड गु अ धा
मा गे य व ड स य स र व य यो व रु ल ठ अ रि व हा कू ट ध रु स म रा ग ध
न न वा ल न य रु व रु धि या य वि धि ॥१३॥ व च रु क रि वि ध ध रु न मा रु ल
ठि वा न थ रु क रु स र म ल व य य के अ ध नि ख स रु म र दि न १
न रु लि व मा य मा य न ल य रु स य रु स र स र स र स र स र स र स र स र स र
॥१४॥ म लि स्तान न क रु दा इ ड न न स्या वा य रु मि न रु क ला द रु
॥१५॥ स रु द व रु म ना रु उ हा ज रु व रु स रु व रु ग ना स ॥१६॥

धान स्वतः वादेया ल हा अस्वय गायत्री ॐ ह्रीं नाद सा अया मार्ग धृति
 मंम १ धर्म म सुष्ठु अ कवे न विनवा लेने मंसा २ सुष्ठु सुष्ठु धृष्ट मंमया
 सुष्ठु सुष्ठु अ कवे न विनवा लेने मंसा २ सुष्ठु सुष्ठु धृष्ट मंमया
 भाव हा अ कवे न विनवा लेने मंसा २ सुष्ठु सुष्ठु धृष्ट मंमया
 लं सुष्ठु नाम द ग्य नव धा सुष्ठु दया अ म न र व ॥ १० ॥ क विलो हित
 उ था वा स न स र ल ति धर्म समरा ग ल र व न न र्या या य म न ॥ ११ ॥
 या सुष्ठु व व य ॥ १२ ॥ नि ठा र व न रु य व न रु व र व ॥ १३ ॥ व य ले या ह ल
 रु न रु क र सुष्ठु वि र्मा रु क नि मे ल ॥ १४ ॥ या सुष्ठु वि र्मा न व र
 यि ह न सुष्ठु रु क य क जिव र व ॥ १५ ॥ गं ध य मा न च ल न्या र वी व न र व
 य न ॥ १६ ॥ प य नि न या व का य उ म सुष्ठु व वा स य रु य न का व

समराग कस्मीनवालनकं संनिवाकनास ॥ १ ॥ यस्मिन्नामूल द्वा
लंरु यिंयलि कर्केटासि कस्मीनवाल जिद।यनास ॥ वडुर्दल
द ॥ २ ॥ यिंयलि लवंदत्वर वंसलानन सकम्याल समराग
व कस्मीनवालन कंनिवायनास ॥ यस्मिन्नामूल ॥ ३ ॥ कर्केटासि
व कर्केटासि याकक नूयकसन सकम्याल लवंद मयंरु यिं
यलि द्वालंरु यस्मिन्नामूल रुक्मिणि साखन समराग क
स्मीनवाल जिद।यभाक ॥ गारुडसा यालू नूनवाल कर्केटा ॥ द्वा
दसांगलद ॥ ४ ॥ लवंद सकम्याल यिंयलि गिरुला ससरा

गकस्मीनवाल जिद।यनास सल्यलवंगदि ॥ ५ ॥ लवंग कर्केटा
जाकिनास याठक नूयकसन यथंकसन का १० यथं लवंग
त्वर सकम्याल जिद।वाल अगुवि साखन दुहाया सयन
यं ३२ वंसलानन यिंय ४ कस्मीनवाल जिद।यनास मयमलवंग
दि ॥ ६ ॥ मिदिम याकक वाल खकन यिंयलि कर्केटासि नूयकी
सन सकम्याल लवंगत्वर गिरुला यस्मिन्नामूल अक्रियस द
वालेरु समराग कस्मीनवाल जिद।यसंनिवाकनास ॥ ७ ॥ लवंग
कर्केटा साखंरु वंसलानन लवंदत्वर शुक्म्याल याकक

चुदकभय मवच दिंदानि शुठि डिवि दकजीवि यमुनि वय
क्षयन अशुवि दकनायदा बाल जगमासी बाल कश्यव डसल
दा डिविरुल रिमराज सारवच कसीनवाले दिदायनासा बृह
कलमादि ॥ ८ ॥ दिदायहभारु चिकाशयीनभ गृकसहि काहदयग
लेयदं मूकषिलाया समदा हवयथं विसय्ये गुल्ला दननिबर्दने ॥ या
लायथेखादकि दिशुभा यथं यथा दिशुभा करुल पदं शुर्न स्व
रुवह्युष्य गविवनिधुर्न सखा न ददय मुनि रिद्वेयथ ॥ धडास
वगन ॥ दिदायभावं अरुविभासाक दिनसयी दास रिक्क लं

युठमळिय द्द ठिद्व ठियं निव मुक्के वृथंगवायु थिकिव नाय
नायु मंडुक्के ककुवव यंरु गुल्ल यंरुभायंभाक् अशिकव ॥
धदवडासवि याणाययश्चदास्यं नर्क कल्यानमाग्नेलाभा
कयदलार्न ॥ धडासवन स्वसश्चसा निधयन युष्यसविचश्
नं धदं डासन सस्वर्नं जविला कण धर्थे काया ॥ ८ ॥ याग
मुक्के कवया निदान काय ॥ रुकालिषडा इदं ग्राहास्यथादनकम्य
नं ॥ कामलाकरुया दायुष्कायाय रुकया मला ॥ रुकालिषडा ॥ रु
यानिद्वरुसा मान्यलक ॥ धयाअथ रुकनायाला कदावड

त्वामशु कलव श्वायिव कस्यवदयुव नानाकृनिवस्वस्यंका
हसंनिव वायु विशस्वन कसवायु यिरु विशस्वन लूकश्रुतिस्व
रुयाकेनान क्रिडायनाठीकायवथैव धरुसामन्यलकृण ध
केलकनण आर्गडुकदवभयशवाः ॥ ७ ॥ अविष्टलकृणना
नि विद्रुष्टाक ॥ क्लिवा क्लिवा चलक्रिडा सास्मृतायाननासनि ॥ अ
क्रिडा ॥ वावसिनां व जीवनें दन्ती संसय ॥ मृत्पुशुय ॥ १ ॥ अंगश्वदशिव
सायः ॥ भीकनादस्ययादया ॥ २ ॥ अनियस्य विंका नि स कातदवड्यने ॥
कालदवभय ॥ ३ ॥ निभादादा रुवयस्य दिवाभीकं रुडागु ॥ करुय
निककृष्टस्य रुस्यमृत्पुशुर्विद्युक्ति ॥ कालवयु ॥ ४ ॥ अदि लीयाति वि

रुव विरुयाति करुगृह ॥ करुस्य कृष्टे मास्यस्य दुर्लभं रुस्य जीवनं
॥ ममाक ॥ ३ ॥ हृदयं वरुधाना साद्या निद्रादो वशिकेली ॥ शिवस्माया
रुवयस्य रुस्यमृत्पुशुर्विद्युक्ति ॥ गीया ॥ ४ ॥ हकावशिकेली यस्य सु
कावंतु निमंरुवं मदादादा रुवयस्य रुस्यमृत्पुशुर्विद्युक्ति ॥ गियु ॥
५ ॥ अंगिकथा गकिष्टे वधुयवर्तने वरु ॥ गंधस्वादनजाना कि सग
रु ॥ पंदिनं ॥ गीया ॥ ६ ॥ हवधुय ॥ रुवयस्य मृत्पुशुर्विद्युक्ति ॥ अ
रुनादि अनावादा सायिकालविला किरुः ॥ गियु ॥ गीरुलंया नि
वादी व धीरुलं नादिमपुलं ॥ शिवस्माया रुवयस्य रुस्यमृत्पुशुर्वि

धर्षिगभागी धर्षिके जिव ॥ १॥ यानि यादो रुव इव ताव स य रुव स्य रु
 भा जिह्वा काम ललायाति सभागी न विन स्यति ॥ धर्षिगभागी वृद्धा च के
 जा वरव ॥ २॥ निदा सो कं लवैयस्य सवि वंडा किमं रुधा ॥ ३॥ क्रिया निषण्ण
 नि सभागी न वि स्यति ॥ धर्षिगभागी वृद्धा च के जिव रव ॥ ४॥ श्व दही ना ह्य
 यस्य ना सा स्वाभय वरुके ॥ क ॥ ५॥ यिक रुही नस्य शरीरान विन स्यति ॥
 धर्षिगभागी वृद्धा च के ॥ ६॥ चरु ना सक लीयस्य गन्ध स्वा सस्य रु वरु
 कला वृ विरु कं ० स्य सजा वाना रु सं भयः ॥ धर्षिगभागी वृद्धा च रव ॥ ७॥
 वा च न रं रु वरु वा र्व स्वल्प त्या लघनं वर ॥ ८॥ क्रिय रु वरु वरु सजा व
 ना रु सं भयः ॥ धर्षिगभागी वृद्धा च रव ॥ ९॥ ॥ क्रिय रु वरु वरु निदान रु

य॥ नित्यं शंकरिका वा शंकर दिलादिकादि कामः॥ ध्यायाधिक कृती
 यस्याः सन्निधायकः शुद्धिर्के॥ ध्याया अर्थवाहनवयः विकृतिर्धृष्टिव
 कृद्गुणवयः विकृतिरुनवयः ध्यायनवयः विकृतिरुनवयः संनि
 धायनवयः विकृतिरुनवयः॥ ० ॥ यिरुध्या क्रियादीष्ट्याद्वा
 कृत्कालात्मकः वाक्यिरुध्यायाः द्विविधस्याः क्रियायकः॥ ध्याया
 न्तर्ध्यायिरुध्यायनः क्रीवकनवयः वाक्यध्यायनः कृत्कालात्मकः वाक्यिरु
 न्तर्ध्यायनवयः सन्निधायनः स्वर्गनवयः॥ ० ॥ विकृतिरुध्यायि
 ध्यायि॥ सकामालः मंसः ३ याकः मंसः २ लवंगः मंसः ४

स्वादा ॥ काया म... ॥ १ ॥ चला उ... न सन साख नवा... न वि
रु... ॥ १ ॥ श्रीखण्ड उ... लखन न... चन को द...
य... ॥ १ ॥ म... साख न... लखन को द...
भाली... ॥ १ ॥ उ... वल... मलि...
सं... ॥ १ ॥ धुक म्याल... ल...
सा... ॥ १ ॥ वि... लखन न...
॥ १ ॥ वि... लखन न...
सं... ॥ १ ॥ अ... लखन न...

नरुलला... ॥ १ ॥ ध... वि...
या... ॥ ० ॥ ध... वि...
ल... ॥ १ ॥ ध... वि...
व... ॥ १ ॥ ध... वि...
ना... ॥ १ ॥ ध... वि...
क... ॥ १ ॥ ध... वि...
का... ॥ १ ॥ ध... वि...
हा... ॥ १ ॥ ध... वि...

० यथं धनं न स्यादाद कया रिंद ॥ १ ॥ कयालिक खानदा मंस ४ मन
वम्ब ३ ३ युवाने युठ २० धडा सव युवाके थला दिन न स्या रिंद ॥ मन
वधु ३ १ संधि निम २ थलन न स्या गुठि विन थलन व युथा रुत या
य विक्रनास ॥ १ ॥ दिरुला कइक मिचकिं गुठु गु मंठ रु स थ
ध साख व सम राग न मंस २ कसी न वालन वुठ व ल रसन रु थ
वुठ व रिथ मरु व नास ॥ १ ॥ याव इव व का ठु ह ल म व व युठ ३
ल रसन रु थ ६ ० रु के न स्या धडा सव या रि ठ व का स घाल स थ
न ठ व २ ख व का स घाल स थ व २ विक्र व व व व थ थ न विक्र नास ॥ १
॥ कांका ठ ह ल रि का स स थ न विक्र नास ॥ १ ॥ के ख ठु हा का

मथा द व या व थ ठ स व थ विक्र नास ॥ १ ॥ आठ स नाल क र्थ
स दि या लु की मंस ६ खा ठ ल र व रि हा य रु ६ धु रु के न स्या का य ठ स थ
स्या ध न ल व न के थु ३ २ ख रु ठा विक्र नास ॥ १ ॥ मि दि स मंस १ यं थ
लि न स १ सु क म्मा ल मंस १ वंस लो व न मंस १ डि वि मंस १ मूर १ ल वं ग १
ल वं ग ल व १ उरु ल १ आठ स मंस १ सा ख व मंस १ क सी न न ल न मंस १ वि
क्र नास ॥ १ ॥ रु रु स व न या व का स स थ न विक्र नास ॥ १ ॥ वि रु थ दि या
ल हा का इ का न रि थ थ ठ स वि थ विक्र नास ॥ १ ॥ का क र्थ ग ल हा
र थ का य ठ स थ ठ न स्या ल क ठ ठी स व थ विक्र नास ॥ १ ॥ हा व डि
वि थ १ ग ठ रु व न स्या विक्र नास ॥ १ ॥ गु गु वि ह ल ठ नि थ थ